>

Title: Need to extend financial help to families affected by terrorism.

*m01

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : मैडम, मैं बहुत ही इम्पार्टेंट इश्यु पर आपका, सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। जो दंगा पीड़ित परिवार थे, पिछले दिनों यूपीए सरकार ने भी उनकी माली मदद की और उन्हें फ्लैट दिये और एनडीए सरकार ने भी उन्हें पांच-पांच लाख रुपये दिये हैं, जिसका हम स्वागत करते हैं। लेकिन जो लम्बी लड़ाई पंजाब में टैरिज्म के दौरान चली, जिसमें 35 हजार लोग, जिनमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई शहीद हुए, उसमें पुलिस वाले भी शहीद हुए, उनके बारे में किसी ने नहीं सोचा। बल्कि जिन्होंने उन 35 हजार लोगों को शहीद किया, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी, आज मेरा यह कहना है कि वहां की सरकार और बीजेपी वाले, जो अपने आपको देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं, वहां की सरकार जो वहां के टैरिस्ट्स हैं, उनकी फोटोज, उनकी यादगार, दरबार साहब गोल्डन टैम्पल के अजायबघर में लगवा रही है।

माननीय अध्यक्ष : आप केवल डिमांड कीजिए।

श्री रवनीत सिंह : लेकिन उन 35 हजार लोगों का कोई ख्याल नहीं कर रहा है, उन्हें कोई पूछ नहीं रहा है। इसलिए मेरी यह अपील है कि जो 35 हजार लोग शहीद हुए हैं, उनकी याद में कोई बड़ा मैमोरियल बनाया जाए, चाहे वह पंजाब में बने, चाहे दिल्ली में बने और उन्हें नौकरियां मुहैय्या कराई जाएं।

माननीय अध्यक्ष : श्री कपिल पाटील, आप बोलिये।

श्री रवनीत सिंह : मैडम, यह बहुत सीरियस बात है, लोगों ने वहां अपनी शहादतें दी हैं।

माननीय अध्यक्ष : हां आप बोलिये, मैंने कब मना किया है।

श्री रवनीत सिंह : नौकरियों के साथ-साथ उन्हें फ्लैट और कम से कम 15-15 लाख रुपये की मदद की जाए। जिन्होंने देश को तोड़ने की कोशिश की है, उनके लिए पंजाब की सरकार यादगार बना रही है, उनके अगेन्स्ट सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा बीजेपी वाले उनका साथ छोड़ें, जिसके कारण हिन्दुस्तान और पंजाब में एक गलत मैसेज गया है। यह मेरी आपसे विनती है।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 19, महाराजगंज, बिहार के विभिन्न प्रखंडों में फैली हजारों एकड़ कृषि योग्य जमीन में पिछले कई वर्षों से जल-जमाव रहने की ओर दिलाना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र सारण जिलान्तर्गत प्रखंड माझी का तालपुरैना, दीघा प्रखंड एकमा एवं लहलादपुर का धूरदह, प्रखंड मशरख का बहियारा और घोघिया प्रखंड, बनियापुर का बहियारा, कन्हौली मनोहर, प्रखंड जलालपुर का ककरहट, बड़कागांव...

माननीय अध्यक्ष : आप थोड़े में पढ़िये, पूरी बात नहीं पढ़नी है। जीरो ऑवर में लम्बा-चौड़ा नहीं बोलते हैं।